>

Title: Need to open branches of Rural Banks at every Gram Panchayat Heqdquarters.

श्री बद्रीराम जाखड़ (पाली): महोदय, आपने मुझे महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में बताना चाहता हूं। गांवों में दूर-दूर तक ग्रामीण बैंक नहीं हैं। किसानों को बहुत दूर-दूर तक आना-जाना पड़ता है। इसलिए यह एक बहुत बड़ी समस्या है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि ग्रामीण बैंक हरेक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर खोला जाए तो उससे ग्रामीण लोगों को फायदा मिलेगा और बैंक के माध्यम से भुगतान भी आराम से होगा।

इसके अलावा मैं आपसे किसानों के बारे में कहना चाहता हूं कि किसानों को ऋण बिना ब्याज के दिया जाए और जो नरेगा के तहत चलने वाले कामों में कार्य कर रहे हैं, उन मजदूरों का भुगतान ग्राम पंचायत बैंक के खुलने से बहुत आसानी से हो सकेगा। मैं यह निवेदन करता हूं कि आज किसानों के लिए बहुत बड़ा मुद्दा अनाज रखने की बोरियों के बारे में सदन में उठा था। मैं आपसे मांग करता हूं कि किसानों को बिना ब्याज के ऋण दिया जाए और उनके लिए गोदाम बनाये जाएं. जिनके लिए उसमें सब्सिडी दी जाए तो उससे किसानों को बहुत बड़ा फायदा मिलेगा। इन गोदामों में किसान अपना धान, गेहूं और अन्य अनाज रख सकते हैं। इतना कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

सभापति महोदय :

श्री एम.देवजी पटेल को उपरोक्त मामले के साथ सम्बद्ध किया जाता है।